

प्रेषक: शिक्षा वैशेषिक शिक्षा अधिकारी
गाजियाबाद।

सेवा में,

प्रान्तीय
श्री दीप मैगोटीयल विद्या केंद्र सिंदनी गाजियाबाद
अस्थायी मान्यता प्राप्त विभाग,
गाजियाबाद।

पुस्तक / सिविल / 7520-21 / 99-2000 दिनांक 27-11-99

विषय: आंतराधीन प्राथमिक विभागों की मान्यता हेतु शर्तों
की सरलीकरण।

महोदय,

उपरोक्त विषयक विनियम तारीख 30.09.00 भारत विद्या 161
अनुभाग संख्या 1873 /15-6-98-13 स्तंभ 71 /89 नकाउ दिनांक 10
सितम्बर 1998 के संदर्भ में सूचित है कि अस्थायी मान्यता की शर्तों को
सरलीकरण किए जाने के आशय से भारत विद्या संख्या 1073 /15-6-98-13
स्तंभ 171 /89 दिनांक 13 फरवरी 1998 के प्रम में 30.09.00 भारत विद्या
अधिनियम 1972 की धारा 13 उप धारा 111 के अधीन अधिकारों का
प्रयोग करके महाप्रमुख राज्यापाल साक्षात्कार प्रमाण से अस्थायी मान्यता के
प्रकरणों में निम्न प्राविधान रिये जाने की स्वीकृति तत्पक्ष प्रदान करते हैं।

1क। आंतराधीन प्राथमिक विभागों को दी गई अस्थायी मान्यता
की स्थायी प्रकृति की होगी तथा इस निमित्त प्रतिवर्ष
नवीनीकरण कराये जाने की आवश्यकता नहीं है।

1ख। आंतराधीन प्राथमिक विभागों जिन्हें अस्थायी मान्यता
प्रदान की गई है की 5 वर्ष में स्थायी मान्यता हेतु आवेदन
करना अनिवार्य होगा तथा स्थायी मान्यता हेतु निर्धारित
सभी शर्तों को पूरा करना आवश्यक होगा।

पृथक् उपरोक्तानुसार स्थायी मान्यता की शर्तों को निर्धारित
अवधि में पूर्ण कर स्थायी मान्यता हेतु इस कार्यालय को निर्धारित प्रारूप पर
आवेदन करना अनिवार्य करें निर्धारित अवधि व्यतीत हो जाने के पश्चात
यदि आपके द्वारा प्रतिबन्धों की पूर्ति कर स्थायी मान्यता प्राप्त नहीं की
गई तो आपके विभाग की अस्थायी मान्यता स्वतः समाप्त समझी जायेगी
तथा इस निमित्त आपको इस कार्यालय स्तर से किसी पूर्व नोटिस दिये जाने
की आवश्यकता नहीं होगी।

अधीनस्थ

1 सप्ताह 30 के "सुमन"।

पुस्तक / सिविल / 7520-21 / 99-2000 दिनांक तद।

प्रतिनिधि सेवा में समस्त महाप्रमुख भारत विद्या अधिकारी
गाजियाबाद को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1 राणा स्तंभ के सुमन।
शिक्षा वैशेषिक शिक्षा अधिकारी,
गाजियाबाद।

प्रेषक,

सहायक शिक्षा निदेशक [वैसिक]
प्रथम मण्डल, मेरठ ।

सेवा में,

प्रबन्धक,

राष्ट्रीय अमेरिकन विद्या भेड 20860 (कूल)

मिहानी (20110013)

पत्रांक: शि०५०: ५७५

/93-94 दिनांक: 11-5-93

विषय: विद्यालय को "अ" श्रेणी की मान्यता प्रदान करने के सम्बन्ध में ।
=====

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिला वैसिक शिक्षा अधिकारी गाजियाबाद से प्राप्त आपके विद्यालय को जुनियर हाई स्कूल [कक्षा 6,7,8] की [अ] श्रेणी के मान्यता आवेदन पत्र पर मण्डलीय समिति द्वारा विनारोयरान्त "अ" श्रेणी की मान्यता शैक्षिक सत्र 1992-93 से प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है ।

आपको निर्दिष्ट किया जाता है कि शिक्षा निदेशक [वैसिक] अध्यक्ष वैसिक शिक्षा परिषद उ०प्र० हसनाबाद के पत्रांक वे० शि० ५०/14561-791/92-93 दिनांक 15-9-92 में दिये गये निर्देशानुसार न्यूनतम पदों के चुनन की स्वीकृति निदेशालय से प्राप्त करने हेतु निदेशालय के पत्रांक वे० शि० ५०/मान्यता/8951-9034/91-92 दिनांक 3-8-91 में दिये गये निर्देशानुसार प्रपत्र पूर्ण कर जिला वैसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से इस कार्यालय को प्रेषित करने का दृष्ट करें ।

आपके विद्यालय को "अ" श्रेणी की मान्यता सभी प्रदान की जायेगी जब सुस्थाधिकारी "अ" श्रेणी की सभी अर्हताएँ पूर्ण कर लें । विद्यालय में मान्यता के प्रतिकृत बकायें सुवासित करने, विभागीय नियमों एवं निर्देशों का उत्प्रेषण करने, मान्यता विषयक मसल सुझावें पाये जाने, निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क कूल करने तथा श्रेणी र शिक्षाएँ प्राप्त होने पर उक्त मान्यता वैसिक शिक्षा अधिनियम की धारा-12 के अन्तर्गत समाप्त की जा सकती है ।

भवदीय

21/5/93
[हस्ताक्षर]
सहायक शिक्षा निदेशक [वैसिक]
प्रथम मण्डल, मेरठ ।